दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 05 अप्रैल 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 184

महत्वपूर्ण एवं खास

छत्तीसगढ़, झारखंड में लगातार बढ़ती नक्सली गतिविधि चिंता का विषय : जावड़ेकर

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में जान गंवाने वाले जवानों को श्रद्धंजलि दी और कहा कि छत्तीसगढ़ और झारखंड में बढ़ती नक्सली गतिविधियां चिंता का विषय हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''छत्तीसगढ़ के बीजापुर में, नक्सलियों से लोहा लेते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले हमारे वीर जवानों को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रभु से प्रार्थना करता हूं।'' जावड़ेकर ने कहा, ''झारखण्ड और छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ती नक्सली गतिविधि चिंता का विषय है।'' छत्तीसगढ़ में बीजापुर और सुकमा जिलों की सीमा के बीच एक जंगल में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में कम से कम पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए और 30 अन्य घायल हो गए।

मोदी ने गीता प्रेस के अध्यक्ष राधेश्याम खेमका के निधन पर किया शोक व्यक्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गीता प्रेस के अध्यक्ष राधेश्याम खेमका के निधन पर दुख व्यक्त किया है। एक ट्वीट में, प्रधानमंत्री ने कहा, गीता प्रेस के अध्यक्ष और सनातन साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने वाले राधेश्याम खेमका के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। खेमका जीवनपर्यंत विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति!

प्रधानमंत्री ने ईस्टर पर देशवासियों को दी बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईस्टर के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, ईस्टर पर बधाइयां! आज के दिन हम ईसा मसीह की पवित्र शिक्षाओं को याद करते हैं। सामाजिक सशक्तीकरण पर उनका जोर दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करता है।'

महाराष्ट्र सरकार ने दी आदिवासियों की मदद के लिए 231 करोड़ की मंजूरी

ठाणे (आरएनएस)। महाराष्ट्र सरकार ने अपनी 'खावटी' अनुदान योजना के तहत राज्य में आदिवासी परिवारों के लिए 231 करोड़ रुपये की धनराशि पारित की है। आदिवासी विकास विभाग ने 26 मार्च को इस संबंध में एक सरकारी प्रस्ताव पारित किया। सरकारी प्रस्ताव के अनुसार, कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पैदा हुई समस्याओं के मद्देनजर राज्य मंत्रिमंडल ने पिछले साल अगस्त में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी केपरिवारों को चार-चार हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराने का फैसला किया। उसने बताया कि इस साल 26 मार्च को सरकार ने बैंक खातों में सीधे नकद हस्तांतरण के जरिए ऐसे परिवारों को दो-दो हजार रुपये देने को मंजूरी दी है। आदिवासी कल्याण पर सरकारी समिति का नेतृत्व करने वाले पूर्व विधायक विवेक पंडित ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि योग्य लाभार्थियों तक यह मदद पहुंचेगी।

नक्सली मुठभेड़ में 22 जवान शहीद, 31 घायल

» घायलों में 13 गंभीर » नक्सलियों ने मुठभेड़ में मोर्टार हैंड ग्रेनेड का भी उपयोग किया » एक महिला नक्सली का शव भी बरामद

बीजापुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के तर्रेम से निकले जवानों की संयुक्त पार्टी पर शनिवार को दोपहर में बीजापुर-सुकमा के सरहदी क्षेत्र में नक्सलियों के डबल एंबुश में फंस गई। इसके बाद पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 22 जवान शहीद हो गए हैं, वहीं 31 जवान घायल हो गये, जिनमें 18 जवानों का उपचार बीजापुर अस्पताल में चल रहा है एवं 13 गंभीर रूप से घायल जवानों को राजधानी रायपुर रिफर किया गया है।

घटना के संबंध में जिला पुलिस द्वारा देर शाम को दी गई जानकारी के अनुसार विगत कई वर्षों से दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी क्षेत्रान्तर्गत सीपीएम माओवादियों द्वारा (प्लागा बटालियन नंबर-01) ताकतवर गोरिल्ला फोर्स के रूप में इस्तेमाल करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करते हुए क्षेत्र की जनता को भयभीत कर अपना आतंकी हुकुम चलाने के लिए प्रयासरत रही। यदि बस्तर क्षेत्र में नक्सल समस्या का समाधान करना हो तो (प्लागा बटालियन नंबर-01) के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करना अति आवश्यक है। इसी उद्देश्य से कठिन भौगोलिक परिस्थिति तथा माओवादियों का कोर क्षेत्र होने के बावजूद भी अपने जान की परवाह न करते हुए डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा एवं सीआरपीएफ के जवानों द्वारा विगत महीनों में लगातार नक्सलियों की मांद में घुसकर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इस सिलसिले में दिनों 03.04.2021 को जिला बीजापुर एवं सुकमा के सीमावर्ती क्षेत्रांतर्गत थाना तर्रेम, जिला बीजापुर के गुण्डम, टेकलागुडम, जोनागुडम, अलीगुडम के जंगल क्षेत्र में सीपीएम माआवादियों की बटालियन (प्लागा बटालियन नंबर-01) के माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला बीजापुर की डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा एवं सीआरपीएफ की संयुक्त बल नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना की गई थी। नक्सलियों को उनके कोर एरिया में

घेरने और खदेड़ने के लिए थाना तर्रेम से भेजे गये संयुक्त बल के अतिरिक्त उसूर, पामेड़, मिपा एवं नरसापुरम बेस कैंपों से भी कोर एरिया के अलग-अलग टार्गेट के लिए बल रवाना किया गया था। दिनांक 03.04.2021 के दोपहर लगभग 12 बजे से जोनागुडम एवं टेकलागुडम के बीच जंगल में थाना तर्रेम से रवाना की गई डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा एवं सीआरपीएफ के संयुक्त बल एवं माओवादियों की (प्लागा बटालियन नंबर-01) के बीच मुठभेड़ शुरू हुई।

मुठभेड़ में डीआरजी-08, एसटीएफ-06, कोरबा-07 एवं बस्तर बटालियन के 01 जवान शहीद हो गये। घटना में 13 जवान गंभीर रूप से घायल हुए, गंभीर रूप से घायल जवानों को बेहतर उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर रायपुर रवाना किया। मुठभेड़ के दौरान घायल अन्य 18 जवानों को उपचार जिला अस्पताल बीजापुर में किया जा रहा है। घटना के बाद से कोबरा 210 जवान राकेश्वर सिंह मनहास का लोकेशन नहीं मिल पाया है जिसकी तलाश के लिए लगातार प्रयास जारी है।

मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बल द्वारा (प्लागा बटालियन नंबर-01) के विरुद्ध बहादुरी से लड़ते हुए माओवादियों को भी भारी क्षति पहुंचाया गया है। मुठभेड़ के पश्चात 01 महिला माओवादी कमांडर का शव इंसास इथियान के बरामद किया गया जिसकी शिनाख्त पामेड़ एजीएस कमांडर माड़वी वनोजा के रूप में हुई है। विश्वसनीय सूत्रों तथा तकनीकी आसूचना के आधार पर प्राप्त जानकारी अनुसार इस मुठभेड़ के दौरान कम से कम 12 और माओवादियों के मारे जाने तथा 16 से अधिक माओवादी कैडर गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी प्राप्त हो रही है। यह भी सूचना मिल रही है कि माओवादियों द्वारा मुठभेड़ में मारे गये उनके साथियों एवं घायल कैडर्स को 2-3 ट्रैक्टरों में ग्राम जब्बामरका एवं गोमगुड़ा क्षेत्र की ओर ले गये हैं।

मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों में उप निरीक्षक दीपक भारद्वाज पिता राधे लाल निवासी बिहारी थाना मालखरौदा जिला जांजगीर चांपा, रमेश कुमार जुर्री पिता श्री मेघनाथ प्रधान आरक्षक/1376 निवासी मेवाती पंडरीपानी थाना चारामा जिला कांकेर, नारायण सोढ़ी पिता सोढ़ी रमैया प्रधान आरक्षक/1337 निवासी पुन्नूर थाना आवापल्ली जिला बीजापुर, रमेश कोरसा पिता सुकलू कोरसा आरक्षक/1101 निवासी ग्राम बदरेला थाना जांगला जिला बीजापुर, आर सुभाष नायक पिता सीताराम नायक आरक्षक/791 निवासी ग्राम बासागुड़ा थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर, किशोर एंड्रिक पिता रामधर एंड्रिक सहायक आरक्षक/810 निवासी ग्राम चेरपाल थाना बीजापुर जिला बीजापुर, सनकू राम सोढ़ी पिता मंगलू राम सहायक आरक्षक/1163 निवासी ग्राम पेदापाल थाना मीरतुर जिला बीजापुर, भोसाराम कटरामी में पिता लक्ष्मण कटरामी सहायक आरक्षक/372 निवासी ग्राम एकेली थाना नेलसनार जिला बीजापुर, एसटीएफ के श्रवण पिता रामनाथ कश्यप सहायक आरक्षक, रामदास पिता महगुराम कोर्राम आरक्षक, जगतराम पिता अगनुराम कंवर आरक्षक, सुख सिंह फरस पिता फगुराम आरक्षक, रमाशंकर पैकरा पिता बुधराम सिंह आरक्षक, शंकरनाथ पिता स्वर्गीय मंगाराम नाग आरक्षक, कोबरा- 210 के दिलीप कुमार दास निरीक्षक, राजकुमार यादव प्रधान आरक्षक, शंभु राय सीटी, धर्मदेव कुमार सीटी, शखामुरी मुराली कुष्ण सीटी, रघु जगदीश सीटी, बबलु रंभा सीटी, बस्तर बटालियन के समैया पिता सुबैया माड़वी आरक्षक जीडी शामिल हैं, वहीं कोबरा जवान सीटी जीडी राकेश्वर सिंह ननहास का घटना के बाद से लोकेशन नहीं मिल पाया है। उसे ढूंढने का प्रयास जारी है।

मुठभेड़ में घायल हुए 31 जवानों में डीआरजी बीजापुर के आनंद कुरसम पिता आयतु सहायक उपनिरीक्षक, प्रकाश चेट्टी पिता पापैया सहायक उपनिरीक्षक, मनीराम पिता पांडु कुंजाम सहायक उप निरीक्षक, प्रफुल्ल कुजुर पिता डियोफिल प्रधान आरक्षक, बदरू पुनेम पिता लखमु आरक्षक, लक्ष्मण हेमला पिता मुन्नू आरक्षक, सोमारू कर्मा पिता गुंडाराम सहायक आरक्षक, बसंत पिता सोमा झाड़ी सहा.आरक्षक, विजय मंडावी पिता कोवा सैनिक, एसटीएफ के जवान भास्कर यादव पिता नेतराम एपीसी, सोनु मंडावी आरक्षक, थामेश्वर साहू पिता रामेश्वर आरक्षक, रामाराम ओयाम पिता देवाराम आरक्षक, देवप्रकाश लकड़ा आरक्षक, कोबरा 210 के थापास पाल पिता मनीकपाल, राजीव सेठिया पिता अनलेथ, मदनपाल सिंह पिता दीपचंद प्रधान आरक्षक, बलेन्दर सिंह पिता मल्लाराम सीटी जीडी, आनंद पटेल पिता सुरेश उपनिरीक्षक जीडी, डीनेन्द्र दास पिता रत्नेश सीटी जीडी, सूर्यभान सिंह यादव पिता उमाशंकर प्रधान आरक्षक जीडी, स्वाईन सुनील पिता सुरेन्द्र, सममेष पिता एलेप्पा सीटी जीडी, संदीप द्विवेदी टूआईसी, बलराम सिंह सीटी जीडी, अभिषेक पाण्डेय उपनिरीक्षक जीडी, देवेन्द्र सीटी जीडी, मनीष कुमार डीसी, लोकेश कुमार सिंह प्रधान आरक्षक शामिल हैं। वहीं पुलिस ने घटनास्थल से एक महिला माओवादी कमांडर का शव भी बरामद किया है, जिसकी शिनाख्ती पामेड़ एलजीएस कमाण्डर माड़वी वनोजा के रूप में हुई है। शव के साथ हथियार भी बरामद किया गया है। विश्वसनीय सूत्रों तथा तकनीकी आसूचना के आधार पर प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मुठभेड़ में कम से कम और 12 माओवादी के मारे जाने तथा 16 से अधिक माओवादियों के घायल होने की जानकारी प्राप्त हो रही है। यह भी सूचना मिल रही है कि माओवादियों द्वारा मुठभेड़ में मारे गए उनके साथियों के शव एवं घायलों को 2 से 3 ट्रेक्टरों में भरकर ग्राम जब्बामरका एवं गोमगुड़ा क्षेत्र की ओर ले गए।

टीकाकरण अभियान ने देशभर में 7.5 करोड़ खुराकों की ऐतिहासिक उपलब्धि की अर्जित

नई दिल्ली (आरएनएस)। आज सुबह 7 बजे तक की अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार देश में कोविड-19 के लिए लगाए गए टीकों की कुल संख्या 7,59,79,651 (11,99,125 सत्रों के जरिए) पहुंच गई है।

इनमें 89,82,974 स्वास्थ्य कर्मचारी (पहली खुराक), 53,19,641, एचसीडब्ल्यू (दूसरी खुराक), 96,86,477 अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ता (पहली खुराक) और 40,97,510 एफएलडब्ल्यू (दूसरी खुराक) तथा 45 वर्ष से अधिक उम्र के 4,70,70,019 (पहली खुराक) तथा 8,23,030 (दूसरी खुराक) लाभार्थी शामिल हैं।

कुल टीकाकरण संख्या में 6.5 करोड़ से अधिक (6,57,39,470) पहली खुराक है, जबकि दूसरी खुराक की संख्या भी 1 करोड़ से अधिक (1,02,40,181) हो गई है।

टीकाकरण अभियान के 78वें दिन (03 अप्रैल, 2021), 27,38,972 टीके लगाए गए। इनमें से 24,80,031 लाभार्थियों को टीके की पहली खुराक दी गई जबकि 2,58,941 लाभार्थियों ने टीके की दूसरी खुराक प्राप्त की। अब तक लगाए गए कुल टीकों के 60.19 प्रतिशत में आठ राज्यों की भागीदारी है। भारत में लगाए गए कुल टीकों में केवल महाराष्ट्र की 9.68 प्रतिशत भागीदारी है। पिछले 24 घंटों में कोविड के 93,249 नये दैनिक मामले दर्ज किए गए। इन नये मामलों के 80.96 प्रतिशत आठ राज्यों- महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, दिल्ली, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात से हैं।

महाराष्ट्र ने 49,447 दैनिक नये मामलों के साथ सर्वाधिक संख्या दर्ज कराई है। 5,818 की संख्या के साथ छत्तीसगढ़ का स्थान इसके बाद आता है जबकि कर्नाटक में 4,373 नये मामले दर्ज किए गये।

भारत कोविड-19 मामलों के दोगुने होने के समय में काफी तेज वृद्धि दर्शा रहा है। 04 अप्रैल, 2021 तक यह 115.4 दिन है। भारत के कुल सक्रिय मामले 6,91,597 तक पहुंच चुके हैं। अब यह देश के कुल पॉजिटिव मामलों का 5.54 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में कुल सक्रिय मामलों में 32,688 मामलों की शुद्ध बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

पांच राज्यों अर्थात महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, केरल एव पंजाब की देश के कुल सक्रिय मामलों में 76.41 प्रतिशत भागीदारी है। देश के कुल सक्रिय मामलों में से अकेले महाराष्ट्र की आधे से अधिक (58.19 प्रतिशत) की भागीदारी है।

केंद्र और राज्य मिलकर नक्सल हिंसा का मुकाबला करेंगे और जीतेंगे भी -अमित शाह

रायपुर (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को फोन करके उनसे बीजापुर में हुई नक्सली घटना के संबंध में विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्रीय गृह मंत्री को बीजापुर में राज्य और केंद्र के सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ की मैदानी स्थिति से अवगत कराया । मुख्यमंत्री ने कहा कि मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को हुई क्षति दुखद हैं । लेकिन सुरक्षा बलों के हौंसले बुलंद हैं और नक्सली हिंसा के विरुद्ध यह लड़ाई हम ही जीतेंगे ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री से कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर इस लड़ाई को अवश्य जीतेंगे । उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से जो भी आवश्यक मदद होगी वो राज्य सरकार को दी जायेगी । उन्होंने कहा की उन्होंने सीआरपीएफ के महानिदेशक को घटना स्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं । मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि नक्सल हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में हो रहे लगातार विकास कार्यों से ग्रामीणों का नक्सलियों से मोह भंग हो रहा है और वे लगातार विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं । स्वास्थ्य , शिक्षा और अन्य सुविधाएं अंदरूनी गांवों तक सुलभ हो रही हैं और नक्सली विचारधारा से लोग विमुख हो रहे है । इससे बौखला कर नक्सली इस तरह के हमले कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं ।

ट्राइफेड की गांव एवं डिजिटल कनेक्ट मुहिम संकल्प से सिद्धि हुई लॉन्च

नई दिल्ली (आरएनएस)। 04 अप्रैल, 2021गांव एवं डिजिटल कनेक्ट पहल की सफलता के बाद, जिस दौरान 2021 के आरम्भ में ट्राइफेड के देश भर के क्षेत्रीय अधिकारियों ने उल्लेखनीय जनजातीय आबादी वाले चिन्हित गांव का दौरा किया तथा विभिन्न कार्यक्रमों तथा पहलों के कार्यान्वयन का पर्यवेक्षण किया, जनजातीय मामले मंत्रालय के तहत ट्राइफेड ने अब संकल्प से सिद्धि- गांव एवं डिजिटल कनेक्ट मुहिम लॉन्च की है। 01 अप्रैल, 2021 से आरम्भ 100 दिनों की इस मुहिम से 150 टीमें (ट्राइफेड एवं राज्य कार्यन्वयनकारी एजेंसियों/मेंटरिंग एजेंसियों/पाटनर्स से प्रत्येक क्षेत्र में 10) जुड़ेंगी जिनमें से प्रत्येक 10 गांवों का दौरा करेंगी। प्रत्येक क्षेत्र में 100 गांव तथा देश में 1500 गांवों को अगले 100 दिनों में कवर किया जाएगा। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य इन गांवों में वन धन विकास केन्द्रों को सक्रिय बनाना है।ट्राइफेड ने समाज के वंचित जनजातीय वर्गों की सहायता के लिए कई पहलों को लागू किया है उनमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के जरिए गौण वन ऊपज (एमएफपी) की मार्केटिंग के लिए तंत्र तथा एमएफपी के लिए मूल्य श्रंखला के विकास जो वन उपज के संग्रहकर्ताओं को एमएसपी उपलब्ध कराता है तथा मूल्यवर्धन करता है और जनजातीय समूहों और क्लस्टरों तथा वन विकास केन्द्रों के जरिए विपणन करता है, की स्कीम को देशभर में व्यापक स्वीकार्यता प्राप्त हुई है। विशेष रुप से, 2020 में महामारी के दौरान यह स्कीम जनजातीयों के लिए रामबाण साबित हुई है।

भव्य रूप से निकली श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन की पेशवाई

हरिद्वार (आरएनएस)। बैण्ड बाजों, हाथी, घोड़ो व ऊंटों से सुसज्जित श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन की भव्य पेशवाई भूपतवाला से चलकर हरकी पैड़ी, अपर रोड़, वाल्मीकि चौक, शिवमूर्ति, तुलसी चौक, शंकराचार्य चौक होते हुए कनखल स्थित अखाड़े की छावनी पहुंची। पेशवाई का कई स्थानों पर विभिन्न सामाजिक संगठनों व स्थानीय लोगों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। पेशवाई पर हेलीकॉप्टर से भी पुष्पवर्षा की गयी। पेशवाई का स्वागत करने पहुंचे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत नरेंद्र गिरी महाराज

ने अखाड़े के संतों को फूलमाला पहनाकर शुभकामनाएं दी। श्रीमहंत नरेंद्र गिरी महाराज ने कहा कि कोरोना काल में कुंभ मेले का भव्य आयोजन पूरे विश्व को सकारात्मक आध्यात्मिक संदेश प्रदान करेगा। कुंभ की आलोकिक छटा पूरे विश्व में भारत को महान बनाती है। संतों का जप तप व सनातन धर्म की परंपराएं कुंभ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को सत्य मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि पतित पावनी मां गंगा के आशीर्वाद से कुंभ मेला भव्य रूप से संपन्न होगा। योग गुरू बाबा रामदेव ने पेशवाई में शामिल संतों का स्वागत करते हुए कहा कि सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति के संरक्षण संवर्द्धन में श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन का विशेष योगदान है। संत परंपरा में विशेष स्थान रखने वाले श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन की पेशवाई श्रद्धालुओं को आध्यत्मिक प्रेरणा देगी। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के श्रीमहंत महेश्वरदास महाराज ने कहा कि पेशवाई के रूप में अखाड़े के संत छावनी प्रवेश करेंगे तथा छावनी में धर्मध्वजा के नीचे सभी धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति का शिखर उत्सव है। कुंभ मेले के दौरान देश भर से आने वाले संत महापुरूषों का गंगा तट पर होने वाला विशाल संत समागम पूरी दुनिया को विशेष धार्मिक संदेश प्रदान करता है। कुंभ मेले के दौरान संत महापुरूषों द्वारा किए जाने वाले विशेष अनुष्ठानों से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि कुंभ मेले में संत महापुरूषों के दर्शन मात्र से ही श्रद्धालु भक्तों का कल्याण हो जाता है। कार्ष्णि पीठाधीश्वर स्वामी गुरू शरणानंद व मुखिया महंत दुर्गादास महाराज ने कहा कि कुंभ मेला श्रद्धालुओं को देश भर से गंगा तटों पर एकत्र होने वाले सिद्ध संत महापुरूषों के दर्शन व आशीर्वाद का अवसर प्रदान करता है।